



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दौरा - मीडिया	16.10.22	10	2-8

नवीनतम सिफारिशों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना ज़रूरी: प्रो. काम्बोज

# चने की 4 समेत 8 नए किस्मों की सिफारिशें

दो दिवसीय कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने प्रदेशमें कृषि अधिकारियों के साथ मंथन किया।

हिंगूनि व्यूजन विसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आठ हुई दो दिवसीय ग्रन्थ स्वरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रखी कफलों की समग्र सिफारिशों के बारे में किस्तुत चर्चा की गई तथा कई प्रहरवपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। नुमोदित को मई आठ नई



हिसार। कार्यशाला की संवाधित करते मुख्यालियती कुलपति प्रो. शीआर काम्बोज।

सिफारिशों में चार नई किस्में, जिसमें देसी चने की हरियाणा चना-6 (एचसी-6), जई की पचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंद्रशुर की पचएलएस-4 को सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व

हरियाणा के सिंचित क्षेत्रों में जौ की विजाई अब्दुबर के आखिरी बनवार के पहले सपातों के बीच गेहूं के पीला रतआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्र. नैट्रो प्रति एकड़ स्प्रे करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है।

### उर्वरकों के अत्याधिक प्रयोग को संकला अत्यंत आवश्यक

इस अवसर पर शीघ्र एवं किसाल कल्याण विभाग, हरियाणा के मटानिंदेशक डॉ. हरवीष रिट्ट ने कहा कि एसल अव्योग जल्दा व उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग रोकना अत्यंत आवश्यक। उर्वरकों का सु कि खाद की कत्ती बढ़ी है विक्रियक उर्वरक वितरण सही तरीके से करने की जरूरत है। उर्वरकों पराली प्रबलता, रसी कफलों की समग्र सिफारिशों व वर्वीकरण

तकनीकों को किसाल तक पहुंचाने व अग्रामी रक्षा सीजल ने उर्वरक की उपलब्धता और वितरण को उठी तरीके से करवाने के बारे में सभी कृषि अधिकारियों को जिद्देश दिया। विस्तार विकास निवेशक डॉ. बलवाल लिह नहल व उनी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का ज्ञानात्मक विषय और कार्यशाला के नायों ऑफिसर डॉ. छवा शिंह सहारण व उपस्थित उनी का ध्यान दिया।

मध्यम पौटाश बाली जमीन में 8

कि.ग्रा. पौटाश प्रति एकड़ की दर से विजाई के समय डालना, टिकाऊ खेतों के लिए ज्वार-बरसीम कफल स्प्रे के जैविक चाग उत्पादन तथा गेहूं के पीला रतआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्र. नैट्रो प्रति एकड़ स्प्रे करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है।

### पराली प्रबंधन पर चर्चा

को कफलों की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पराली प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शोध के विकास कार्यों पर ध्यान की। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के गालभेल से ही किसान का भला हो सकता है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पंजाब एसटी	दिनांक 16. 10.22	पृष्ठ संख्या 2	कॉलम 5-9
----------------------------------	---------------------	-------------------	-------------

## नवीनतम सिफारिशों व कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी : प्रो. काम्बोज

■ वैज्ञानिकों ने प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ किया मंथन

हिसार, 15 अक्टूबर (राटी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरभ हुई 2 दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रखी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। विस्तार प्रियका निदेशक डॉ. बलवान शिंह मंडल ने सभी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मूख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आह्वान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना हांगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों को फसलों की मूल्य समाचारों को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पश्चाली प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शोध के विकास कार्यों पर चर्चा की।



कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज।

### कार्यशाला में नई किसियों की सिफारिश की

कार्यशाला में अनमोदित की गई 8 नई सिफारिशों में 4 नई किसियों किसमें देसी चने की हरियाणा चना-6 (एच.सी.-6), जई की एच.एफ.ओ.-611 एवं एच.एफ.ओ.-707 तथा चंद्रशूर की एच.एल.एस.-4 को शामिल किया गया है।

इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के सिंचित क्षेत्रों में जी की बिजाई अक्टूबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर के अंत तक चंद्रशूर स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा. सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पीटाम वाली जमीन में 8 कि.ग्रा. पीटाम प्रति एकड़ एवं जिजाई के समय डालना, टिकाक खेती के लिए प्रति एकड़ एवं जिजाई के समय डालना, टिकाक खेती के लिए ज्वार-बरसीम फसल चक्र में जैविक चारा उत्पादन तथा गेहं के पीला रहुआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्रा. नैट्रो प्रति एकड़ सेरे करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है।

फसल गवरीष जलाना व  
उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग को  
रोकना आवश्यक : डॉ. हरदीप

इस अवसर पर कृषि एवं  
किसान कल्याण विभाग, हरियाणा  
के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह  
ने कहा कि फसल अवरोध जलाना  
व उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग  
रोकना अन्यत आवश्यक। उन्होंने  
कहा कि खाद की कमी नहीं है,  
बल्कि उसका वितरण महीने तरोंके  
से करने की ज़रूरत है।

उन्होंने पश्चाली प्रबंधन, रखी  
फसलों की समग्र सिफारिशों व  
नवीनतम तकनीकों को किसानों  
तक पहुंचाने व आगामी रबो  
सीजन में उर्वरक की उपलब्धता  
और वितरण को सही तरोंके से  
करवाने के बारे में सभी कृषि  
अधिकारियों को निर्देश दिए।  
उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई  
जा रही कृषक हितों स्वीकीयों के  
बारे में विस्तार से जताया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृ उजाला	16.10.22	५	५-८

कार्यशाला

एचएयू में जुटे प्रदेशभर के वैज्ञानिक और कृषि अधिकारी

## आठ नई सिफारिशों में चने की चार नई किस्में

अमर उजाला छ्यूरो

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में दो दिवसीय गत्यालयीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की विजाई पर परिचर्चा की। एचएयू के कुलपति ने अकाशरों को कृषि संबंधी समस्याएं वैज्ञानिकों को बताने और वैज्ञानिकों से उसी अनुरूप शोध करने पर जोर दिया।

उन्होंने कार्यशाला में अनुसंदित की आठ नई सिफारिशों में चार नई किस्में, जिसमें देसी चने की हरियाणा चना-6 (एचसी-6), जई को एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंद्रशूर की एचएफओ-4 को शामिल किया गया है। समापन कार्यक्रम के मुख्य

कृषि संबंधी समस्याएं व वैज्ञानिक उसी के अनुरूप करें शोध : कुलपति

CCS Haryana Agricultural University, Hisar



हिसार। एचएयू में कृषि अधिकारियों के दो दिवसीय गोष्ठी के समापन अवसर पर मंचासीन अंतिविण्ण। संवाद

अंतिथ व एचएयू के कुलपति प्रो. वैज्ञानिकों को फसलों की मुख्य बीआर कार्बोज ने कार्यशाला में समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध उपस्थित कृषि अधिकारियों का करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आत्मान करते कहा कि पराली प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की नई विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शोध की गई विधियों, भीजो व तकनीकियों को पूरे प्रदेश में किसानों के बिकास कार्यों पर चर्चा की। कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के तालमेल से ही किसान का

भला हो सकता है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मडल ने सभी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का स्वागत किया और कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. हवा सिंह सहारण ने उपस्थित सभी का धन्यवाद किया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि फसल अवशेष जलाना व उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग रोकना अत्यंत आवश्यक है।

समारोह के आखिरी दिन महानिदेशक ने कृषि विभाग के अकाशरों को सचेत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किसी जल्दी ही बंटने वाली है। इससे पहले साथ पाने वाले किसानों का पूरा विवरण दुरुस्त कर ले।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अजीत समाचार’	16. 10. 22	10	6 - 8

## नवीनतम सिफारिशों व कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी : प्रौ. काम्बोज

हिसार, 15 अक्टूबर (विंड वर्ष) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरंभ हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रखी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आह्वान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों को फसलों की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रातःी प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शोध के विकास कार्यों पर चर्चा की।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला में अनुमोदित की गई आठ नई सिफारिशों में चार नई किस्में, जिसमें देसी चने की हरियाणा चना-6 (एचसी-6), जई



मुख्यातिथि कुलपति प्रौ. वी.आर. काम्बोज कार्यशाला को संबोधित करते हुए को एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंद्रशूर की एचएफएस-4 को शामिल किया गया है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के सिंचित खेतों में जौ की विजाई अक्टूबर के अंधिरी सप्ताह में नवम्बर के पहले सप्ताह के बीच करना, दाना मटर में निम्न सल्फर स्तर वाली जमीन में 12 कि.ग्रा. सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पौटाश वाली जमीन में 8 कि.ग्रा. पौटाश प्रति एकड़ की दर से विजाई के समय ढालना, टिकाऊ खेतों के लिए ज्वार-बरसीम फसल चक्र में जैविक चारा वर्पादान तथा गेहू के पीला रुआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्रा. नैट्रो प्रति एकड़ से करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है।

फसल अवशेष जलाना व उर्वरकों के अत्याधिक प्रयोग को रोकना अत्यंत

आवश्यक : डॉ. हरदीप सिंह

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि फसल अवशेष जलाना व उर्वरकों का अत्याधिक प्रयोग रोकना अत्यंत आवश्यक। उन्होंने कहा कि खाद की कमी नहीं है बल्कि उसका वितरण सही तरीके से करने की ज़रूरत है। उन्होंने प्रातःी प्रबंधन, रखी फसलों की समग्र सिफारिशों व नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने व आगामी रखी सीजन में उर्वरक की उपलब्धता और वितरण को सही तरीके से करवाने के बारे में सभी कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितेशी स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन्दर्भ क्रमांक सन्दर्भ क्रमांक	16.10.22	५	१

## कृषि अधिकारियों संग वैज्ञानिकों ने किया मंथन

हिसार (सच कहूँ न्यूज़)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरंभ हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें प्रदेशपर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आहवान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों को फसलों की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पराली प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय ड्वारा की जा रही शोध के विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में अनुग्रहित की गई झटठ नई सिफारिशों में चार नई विस्तृत, जिसमें देसी चने की हरियाणा चना-६ (एचसी-६), जई की एचएफओ-६११ एवं एचएफओ-७०७ तथा चंद्रशूर की एचएलएस-४ को शामिल किया गया है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के स्थिति क्षेत्रों में जौ की विजाई अल्फबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर के पहले सप्ताह के बीच करना, दाना मटर में निम्न सल्फर स्तर वाली जमीन में १२ कि.ग्रा. सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पीटाम वाली जमीन में ८ कि.ग्रा. पीटाम प्रति एकड़ की दर से विजाई के समय डालना, टिकाक खेतों के लिए ज्वार-बरसीम फसल चक्र में जैविक चारा उत्पादन तथा गेहूँ के पीला रुदुआ के नियंत्रण के लिए १२० ग्रा. नैट्रो प्रति एकड़ स्प्रे करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ अक्टूबर २०२२	१६.१०.२२	२	५६

### विज्ञानियों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों पर की चर्चा

जगरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में विज्ञानियों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की। कार्यशाला में अनुमोदित की गई आठ नई सिफारिशों में चार नई किस्में हैं। जिसमें देसी चने की हरियाणा चना-६ (एचसी-६), जई की एचएफओ-६११ एवं एचएफओ-७०७ तथा चंद्रशूर की एचएलएस-४ को शामिल किया गया है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के सिंचित क्षेत्रों में जौ की बिजाई अक्टूबर के आखिरी सप्ताह से नवम्बर के पहले सप्ताह के बीच करना, दाना मटर में निम्न सल्फर

स्तर काली जमीन में 12 किलो ग्राम सल्फर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पोटाश काली जमीन में 8 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से बिजाई के समय ढालना, टिकाऊ खेती के लिए ज्वार-बरसीम फसल चक्र में जैविक चारा उत्पादन तथा गौह के पीला रतुआ के नियन्त्रण के लिए 120 ग्राम नैट्रो प्रति एकड़ स्तर करना भी नई समग्र सिफारिशों में शामिल है। मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर काम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से अलहान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। डा. हरदीप सिंह ने कहा कि फसल के अवशेष को जलाने से रोकना जरूरी है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
१०१५८७२	१६.१०.२२	२	५-५

## कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना जरूरी : वीसी

मरकम न्यूज़। लिखा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आंध्र हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रखी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्यालिंग विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आहवान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों को फसलों की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पहली प्रबंधन

के लिए विश्वविद्यालय छार की जारी शोध के विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में अनुमोदित की गई आठ नई सिफारिशों में चार नई किस्में, जिसमें देसी चमेरी की हरियाणा चमा-6 (एचसी-6), जई की एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंदशूर की एचएलएस-4 को शामिल किया गया है। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि फसल अवशेष जलाना व उचित को का अत्यधिक प्रयोग रोकना अत्यंत आवश्यक। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का स्वागत किया और कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. हवा सिंह महारण ने उपस्थित सभी का धन्यवाद किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डाइज़ समाज	16.10.2022	-----	-----

## **नवीनतम सिफारिशों व कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुँचाना जरूरी: प्रो. बी.आर. काम्बोज**

- वैज्ञानिकों ने प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ किया मध्यम

प्राचीन कलाकार

हिंसा। जीवों चारण यह लक्षण  
कुर्दि विविधतात्मक में अवश्य ही दी  
विविधों गति स्थिरता वृत्ति अधिकारी  
विविधता संस्करण ही विविध प्रदेशपर  
के कुनै विविधताओं के समय विविधताओं  
ने कानूनी रूप से विविधताओं की विविध  
विविधताओं के बारे में विविधता वृत्ति  
एवं उचाव कई विविधता वृत्ति विविधताओं  
विविधता पर विविध विविधता नाम।

इस अवसर पर मुख्यालयीय  
विद्यार्थियों के कुलपति श्री  
बी.आर. पाण्डित ने कार्यक्रम के  
उद्घाटन की अवधिकारी से आवाजन  
की तरफ बोल कर कहा कि वे नई  
विद्यार्थियों को मूल उद्देश्यों  
के सुन करते हैं विद्यार्थियों  
को मूल उद्देश्य में विद्यार्थियों  
का एक समृद्ध और विभिन्न  
कार्यक्रमों को व्यापक



में राजस्व सीधे कामे के लिए प्रोत्तु चिन्ह। उनमें प्रायः इकाईन के लिए विशेषज्ञतापूर्ण दुषा की जब ऐसी गोपनीय के लिए उपकारी पर भवति होती।

उन्होंने बताया कि बड़ी दूरी तक माल अपेक्षित की गई और न्यू विल्सनशोर में पार नहीं हिस्से, जिसमें दैसी चले की लीलियाणा चक्र-6 (एक्सी-6), जब उन्होंने

एकांक-६-६१ एवं एकांक-६-  
२०७ वर्ष के अनुसार यह है कि एकांक-६-४  
को तात्पुरा विकल्प यह है। इसके  
अलावा लोक्यात्मक गीतावाच के  
प्रतिवर्ती लोकों को विकल्प अन्यथा  
के अधिकारी मानदण्ड से नियमित है। वहाँ  
संगत है कि वीर वाचन, दाता वाचन  
में विषय सामाजिक वर्गों वर्गों में १२

कि ता. यहां पर्याप्त एक ही विषय में बहुत से विभिन्न विवरणों की जांच करना असम्भव है। इसलिए यहां पर्याप्त एक ही विषय के लिए उपर्युक्त विवरणों की जांच करना असम्भव है।

फसल अवशेष जलाना व उर्दंको के अत्यधिक प्रयोग  
को रोकना अत्यंत आवश्यकः डॉ हरदीप सिंह

ग्रन्थालय के लिए ही

उन्होंने यात्रा की कार्यविधि को बहुत अधिकारियों के उल्लंघन के सामग्री में ही विवरण कर भाग दी रखता है। इसीलाई एक ऐसा प्रदर्शन है जो आपने कार्यविधियां व कार्यालय के कार्यविधि को उल्लंघन के उल्लंघन की वापसी करना चाहते हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पांच बजे	दिनांक 15.10.2022	पृष्ठ संख्या -----	कॉलम -----
--------------------------------	----------------------	-----------------------	---------------

नवीनतम कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरीः प्रो. काम्बोज

पर्याप्ति विभाग

हिंसा। योगी भाषण मिश्न हारियाणा कृषि विधानसभा परम में आधिक हुए हो दिए गये तब उसने कृषि अधिकारी कांगड़ा तालाब संस्था के विपक्ष प्रदर्शन के कारण अधिकारीहरे के साथ बैठकियों ने कांगड़ा में स्थीर जलसंग्रह और साफ नियन्त्रियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तब कई महालाल अन्दरीनी पहलीजों पर विचार विमर्श किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्रीय विधायिकालय के उपर्युक्त और दो दोस्रे ने वार्षिकताव में उद्घाटन सभा की अधिकारियों से आवाहन किया कि लोग जीव नहीं नहीं विधायिकाओं के पूरे प्रदृश में किसी तरह पहुँचना होता। साथ-साथ उनीं विधायिकाओं को जल्दी जीव मुक्ति समझौताओं को ध्यान में रखकर लेख जाने के नियम दीर्घीकृत किया। उन्होंने वार्षिक उद्घाटन के तिरंगे विधायिकालय द्वारा जीव जीव सभा के



विकास करने पर वर्षा थी। उनके बहाव  
कि वार्षिकता में अमृतोंपाई की एवं आठ वर्षा  
सिम्पोरियम् में वार्षा नहीं दिया, जिससे दोनों  
घन की त्रिशिखा चत्ता-६ (एकली-६), जट  
की दशकली-६-११ एवं एकली-७-०७-  
तथा चौदहूरी की एकली-४-५ की भागिनी  
किंवा घन है। इनके ३००० घन दीपांग-त्रिशिखा

हीरापुर के निवासी होमों में जौ की विवाह अवधार के अस्तित्व मालाम में सम्बन्ध के पालने मालाके विषय बदल, दान घटन में निवासी सभा वाली जग्याम में 12 किलो, सम्बन्ध छात्र एकड़ एवं निवासी यज्ञम पैटाउ वाली जग्याम में 8 किलो

उत्तम, टिकाड़ सेवी के लिए उद्धा-उद्धव  
परम चक्र में दीक्षित भगवान् उत्तमदेव तथा  
मैरु के फैल गुरुत्व के नियम के लिए  
120 ग्र. निर्देश एवं एकड़ में करना भी  
जब सभी शिक्षालिङ्ग में उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि यूरोपीयोंको यह कृपित  
अधिकारियों के अपास के लकड़ीस से दी  
विवरण का भाव हो सकता है। हीरालाल एक  
ऐसे प्रदेश है जहाँ यूरोपीयोंके वैज्ञानिक  
व प्रौद्योगिक कार्यालयोंको जाता है तिसमें  
विवरण के सौंदर्य व असुख समाज के सम्बन्धमें  
के लिए कृपित अधिकारी अपने कहा  
वैज्ञानिकों के बाप लेख लिए हैं तथा  
विश्वास हैं इन समाजोंके असुख ही  
अपने गौण कार्य लगान करके चलते हैं  
जोकि है समाज दैवता व ऐसे विवरण  
की अपमानी बहु

फारम अवधारणा ये उद्देश्यको को असाधिक प्रयोग को गोष्ठना अन्वेष

असाधारण शो. इरण्डीप चिंह

इस अप्राप्ति पर कृपया एक विद्यार्थीनाम लिखा, इसीलाई के महानिटेकर हॉटहाईट मिस्टर ने कहा कि उसका अवश्यकतावाल व उत्तमों का अवधिकार उत्तम लेकर अपनी आवाहनका उत्तमों कहा कि उत्तम जो करने नहीं है वहीकी उत्तम विद्यार्थी सही गांधी के बाबने को बताता है। उत्तमों परामी पुरुषों, वही प्रयत्नों को ममता विद्यार्थीहैं व नहींउनम्‌ तकनीकों को विद्यार्थी उत्तम पुरुषोंवे व अपनी ऐसी गोदान में उत्तमों की उत्तमताएँ और विद्यार्थी को सही तरीके में जगत्ताने के लिए ने सभी कृपया अधिकारीहैं को निर्देश दिया। उत्तमों इसीलाई साकार द्वारा संबोधि न गई कृपक दिलें लोकों के लिए वे विद्यार्थी में बढ़ताया। विद्यार्थी विद्या निटेकर हॉटहाईट व बाबाजान मिस्टर मंडेल ने सभी अधिकारीहैं व विद्यार्थीका स्वयंपात्र विषय और विद्यार्थीका बोनस अधिकार भी हाल मिस्टर मार्गारेट ने



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सौर पत्र	15.10.2022	-----	-----

**नवीनतम सिफारिशों व कृषि तकनीकों को किसानों  
तक शीघ्र पहुंचाना जरूरीः प्रो. बी.आर. काम्बोज**

बौद्धरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरम्भ हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला, वैज्ञानिकों ने प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ किया मर्गदर्शन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधायिकालय के भूमिका पर भी अपना विचार देते बोलता है उन्हें इस विधि अधिकारियों से अलग किया जा सकते ही एवं वहीं को पूरे प्रदेश के क्रियान्वयन तक पहुँचाया जा सकता है। सभा-सभाएँ एवं वैज्ञानिकों को फलात्मक वीर्य संवर्धन की व्यवस्था में योग्यता देख करने के लिए देखते रहिए। उन्हें पहली प्रश्नाएँ के लिए विधायिकालय



मुख्यमंत्री नूरगिरि प्रे. की अन्त मासिकोंका प्रयोग से जलसेवा को संबोधित करते हुए कहा गया है। इनके अन्तर्गत एवं उनके प्रधानमंत्रीया के संभिल देशोंमें उनकी अधिकारीयता के अधिकार से नवाचार के प्रयोग सहित के सौंदर्य का, बन्द भट्ट एवं निमन लम्पन सम्बन्धी जनमें 12 कि.मी. लापत्त आवश्यकता एवं एक हजार कि.मी. वायवीय जनमें 6 कि.मी. पैदल सेवा का

वी दर से विस्तृत के समय उल्लंघन, टिकाऊ खेतों के लिए जारी-बाबूदाम फलत चक्र में जैविक धारा उत्पन्न तथा गेहु के दोनों राज्यों के नियन्त्रण के लिए 120 प्रा. मीटिंगों प्रति एक हजार से अधिक भी वह समय विस्तृतीयों में विस्तृत है। उन्हें बताया कि कृषि विस्तृतीयों व मूली अधिकारियों के लिये इसका लाभ विस्तृतीयों के लिये उपलब्ध है तथा विस्तृतीयों के लिये इसका लाभ विस्तृतीयों के लिये उपलब्ध है। इसका एक प्रमुख प्रदान है यहां कृषि विस्तृतीयों के पैदानिक व प्रदानों के कृषि अधिकारियों की विवरणात्मक आवश्यकता को बढ़ाता है जिसमें विस्तृत के खेत में अड़ रखन्ते के समाविष्ट हैं तिन दूसरे अधिकारी अपनी भारत विस्तृतीयों के विकास लेकर याते हैं ताकि वे विस्तृतीयों के अनुसुन्धान और अन्य विवरण करने के लिये विस्तृत के सम्पर्क में रहते हैं।

फसल अवशेष जलाना व उर्वरकों  
के अत्याधिक प्रयोग को रोकना  
अत्यंत आवश्यकः डॉ. हरदीप सिंह

इस अवधि पर काही पटक  
किसान काटपाण विप्रां  
हरियाल के भास्तुनेतक जै  
सुदृष्टि विद्धि ने बढ़ा दिए संकलन  
मध्यवर्ष जासान व उत्तरासन का  
अन्तर्गत इत्यांग एकान्मा आवाज  
आवाजक। उन्हें वाहा कि  
खुद को किसी नहीं ही कृष्ण  
जासान किसान विप्रां जैकी मे  
वाहाए जी लकड़ा है। उन्हें  
प्राचीन प्रथान, रुचि फलाने की  
सम्मानितवारी व जननाम  
तात्त्वजीवों को किसानों तक  
पहुँचाने व अन्यांग लौही वैज्ञ

वे जांचक की उत्तराधारा और विवरण की सही लाई के कठबोने के बारे में सभी दृष्टि अधिकारीयों को निर्देश दिया गया है। इसका मतलब यह है कि विवरण की सही लाई के कठबोने के बारे में सभी दृष्टि अधिकारीयों को निर्देश दिया गया है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
१८२०। २०२२

दिनांक  
15.10.2022

पृष्ठ संख्या  
-----

कॉलम  
-----

### कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी : प्रो. काम्बोज



चिराग टाइम्स न्यूज़

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोग द्वारा दो दिवसीय यान्य सत्रीय कृषि अधिकारी कार्यशाला संपर्क हुई जिसमें प्रदेशभार के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रबी फसलों की समय सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकों पहलुओं पर चिचार विषय की प्रश्न गया।

इस अवसर पर मुख्यालिपि विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. श्री. अर. काम्बोज ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आहवान किया कि शोध की गई नई सिफारिशों को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों की फसलों की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पराली प्रबंधन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही शोध के विकास कार्यों पर चर्चा

की। उन्होंने अताया कि कार्यशाला में अनुयोदित की गई जड़ नई सिफारिशों में चार नई किस्में, जिसमें दोसों चर्चे की हरियाणा चना-6 (एचसी-6), जई की एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा चंद्रशूर की एचएफएस-4 को समीक्षा की गया है। इसके अलावा दक्षिण-पश्चिम हरियाणा के सिविल सेन्टर में जी की विजाई अक्सर के आखिरी सत्रात् से नवम्बर के पहले सप्ताह के शीघ्र करना, दाना पटर में निम्न सलफर स्तर बाली जमीन में 12 कि.ग्रा. सलफर प्रति एकड़ एवं निम्न व मध्यम पीटाम बाली जमीन में 8 कि.ग्रा. पीटाम प्रति एकड़ की दर से विजाई के समय जाता, टिकाक खीरी के लिए ज्वार-बरसीम फसल बक्क में जैविक चारों उत्पादन तथा भेंट के पीला रुआ के नियंत्रण के लिए 120 ग्रा. नैट्रो प्रति एकड़ से करना भी नई समय सिफारिशों में सामिल है।

उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के तालिमेत से ही किसान का भला हो सकता है। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहाँ कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की जाती है जिसमें किसान के स्रोत में आई समस्या के समाधान के लिए कृषि अधिकारी अपनी चारों वैज्ञानिकों के

उर्वरकों के अत्याधिक प्रयोग को रोकना बहुत जरूरी : डॉ. हरदीप सिंह

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह ने कहा कि फसल अवधीन जलाना व उर्वरकों का अत्यधिक प्रयोग रोकना अत्यंत आवश्यक। उन्होंने कहा कि खाद्य की कमी नहीं है बल्कि उसका वितरण सही तरीके से करने की ज़रूरत है। उन्होंने पराली इवेंडन, रबी फसलों की समग्र सिफारिशों व नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने व आगामी रबी सीज़न में उर्वरक की उपलब्धता और वितरण को सही तरीके से करनाने के बारे में सभी कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया। विभाग शिक्षा विदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का स्वागत किया और कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. हर्या सिंह सहायता ने उपस्थित सभी का धन्यवाद किया।

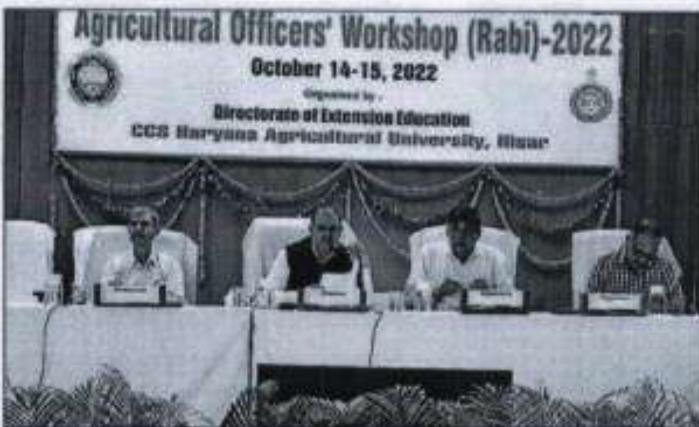
पास लेकर जाते हैं तथा वैज्ञानिक इन समस्याओं के अनुरूप ही अपनी शीघ्र कार्य प्राप्त करके चलते हैं।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभस्त्र दीरपणा	15.10.2022	-----	-----

नवीनतम सिफारिशों व कृषि तकनीकों को किसानों  
तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी : प्रो. बी.आर. काम्बोज



परिवार जीव जन्म को पर में लिया है के समय आवास, विद्यालय  
द्वारा दिए गए ज्ञान-जीवनीकारण तक से अधिक ज्ञान आवास  
से मिलता है। इसके लिया है कि ज्ञान 120 दिनों

परं उन्होंने यहां कृषि विविधताएँ के विवरण न दर्शाएँ और अधिकारीहरू को जानेंगे कि उन्होंने विवरण में सेतु में आई समस्या के वराणस के लिए कृषि विविधताएँ आयी थीं तथा विवरणों के पास देखा गया है कि यह विवरण इन समस्याओं के अनुकूल ही नहीं बल्कि विवरण का अन्य भाग यहां देखा गया है कि विवरण को उद्देश्यों के

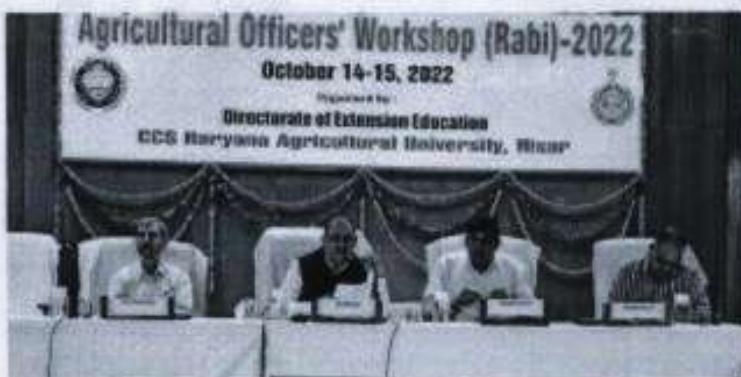


# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
16-2 समाचार समाचार	15.10.2022	-----	-----

| हिसार: कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के तालमेल से ही किसानों का भला संभव: कम्बोज

15 Oct 2022 19:56:51



16 Oct 2022  
हरियाणा के सभी  
प्रदेश में 18 को बड़ा  
परिवर्तन कर्त्ता बताएं



16 Oct 2022  
नवी शक्ति पुरस्कार  
8 नवंबर, 2022 को 2  
पश्चिम, 16 अक्टूबर



16 Oct 2022  
कैफल, योग्यता १  
प्रैटिश खड़े में सभी  
संस्करण जीतें

नवीनतम सिकारिशी व कृषि तकनीकों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाना जरूरी

वैज्ञानिकों ने प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ किया झंगल

हिसार, 15 अक्टूबर (हिंदू)। हरियाणा कृषि विविधालय के कुलपति डॉ. वीआर कम्बोज ने कहा है कि कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के तालमेल से ही किसान का भला हो सकता है। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहाँ कृषि विविधालय के दैनिक व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की जाती है जिसमें किसान के बीच में आई समझकोश के समाप्ति के लिए कृषि अधिकारी अपनी बात वैज्ञानिकों के पास सुनकर जाते हैं तथा वैज्ञानिक इस समझकोश के अनुरूप ही अपनी शीघ्र कार्य प्रसार करके चलते हैं ताकि वे समझकोश कार्यालय न आए व किसान की आमदानी बढ़े।

कुलपति वीआर कम्बोज शिक्षालय की हरियाणा कृषि विविधालय में हुई दो दिवसीय रात्रय समरोच कृषि अधिकारी कार्यशाला के सम्पादन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में रही कासलों की समझ सिकारिशी के बारे में विस्तृत चर्चा की गई तथा गई महत्वपूर्ण तकनीकी पहुंचों पर विचार विद्वानों द्वारा किया गया। उन्होंने कृषि अधिकारियों से जाइल किया कि शीघ्र की गई नई नई सिकारिशी को पूरे प्रदेश में किसानों तक पहुंचाना होगा। साथ-साथ कृषि वैज्ञानिकों को कासलों की मुख्य समझकोश को प्रयात भी रखकर शीघ्र करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पराली प्रबंधन के लिए विविधालय द्वारा की जा रही शीघ्र के विकास कार्य पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में अनुमोदित की गई आठ नई सिकारिशी जी चार नई किसमें जिसमें दोस्ती चर्चा की हरियाणा चन्ना-6 (एचडी-6), जर्फु की एचएफओ-611 एवं एचएफओ-707 तथा बंदूशूर की एचएलएस-4 की शामिल किया गया है।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महालिंगशंक डॉ. इरहीष लिंग है कहा कि फसल अवधीश जलाना व उच्चरकी का अन्याधिक प्रयोग रोकला जान्यें आवश्यक। उन्होंने कहा कि बाट वी क्ली लही है बन्धक उपचार विनाश सही तरीके से करने की जरूरत है। उन्होंने पराली प्रबंधन, रही कासलों की समझ सिकारिशी व नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने व आगामी रवीं सीजन में उच्चक तीव्रता वाली उपचारधारा और विनाश की मही तरीके से करनाने के बारे में सभी कृषि अधिकारियों को लिंगेश दिए। उन्होंने हरियाणा नरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हिंदूपी स्कीडों के बारे में विस्तार से बताया। विस्तार शिक्षा विदेशक डॉ. बलयाल लिंग हैंडबुक में सभी का अधिकारियों व वैज्ञानिकों का स्वागत किया और कार्यशाला के नोडल ऑफिसर डॉ. इवा लिंग सहायता में सभी का एक्स्ट्राक्यूर दिया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभृत’जाना	17.10.22	2	7-8

  
**कृषि विशेषज्ञ  
की सलाह**  
 प्रो. बीआर कांबोज

## खेत को तैयार कर फूलगोभी की दूसरी फसल लगाएं

हिसार। फूलगोभी फसल के तैयार फूलों को काट कर बाजार में भेजें। इस माह पूसा कालकी किस्म की फसल समाप्त हो जाएगी। खेत को तैयार करके फूलगोभी की दूसरी फसल लगाएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि अद्य पछेती किस्म हिसार- 1 के खेत की देखभाल करें। पहली बार पौधरोपण के लगभग 3-4 सप्ताह बाद और दोबारा में फल बनते समय। फूलगोभी की पछेती किस्म स्नोबाल- 16 की पौध नसरी में तैयार करें। फूलगोभी की पछेती किस्म स्नोबाल- 16 की पौध तैयार के लिए बीज को बोने से पहले

कैट्टान से उपचारित करें। अंकुरण के तीसरे ब दसवें दिन बाद 0.2 प्रतिशत कैट्टान के घोल से नसरी को सिँचित करें। हानिकारक कीड़ों से रक्षा के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 इसी को 200-250 लीटर पानी में घोलकर एक एकड़ खेत में छिड़कें। दवा का इस्तेमाल आवश्यकता होने पर 10 दिनों के दोबारा करें। दवा के इस्तेमाल के बाद फसल को एक सप्ताह तक खाने के काम में न ले। इन कीड़ों की रोकथाम बट्टगोभी, मूली आदि में इसी प्रकार से करें। डायमेड बैक मॉथ के लिए 400 ग्राम बेसिलस थूरिजिएसिस बायोआप्रति एकड़ खेत में छिड़कें। ब्यूरो



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

२०२२ मार्च

दिनांक

१७.१०.२२

पृष्ठ संख्या

३

कॉलम  
४-६

**जायका:** एचएयू ने गेहूं से एलजी से बचाव के मद्देनजर खाद्य प्रोडक्ट बनाए  
**एचएयू ने तैयार किए ग्लूटन फ्री ज्वार और खजूर के बिस्किट, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने में सहायक**

महावारी दिनांक

एक्स्यू के डंडा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग के वैज्ञानिकों और रिसर्च स्कॉलर ने रिसर्च के बाद ग्लूटन फ्री उत्पाद तैयार किए हैं, जिन्हें गेहूं से एलजी वाले बच्चे, बड़े और बुढ़े खा सकेंगे। यही नहीं विशेष प्रकार की चॉकलेट बॉल्स भी तैयार की गई हैं, जिससे मोटापा बढ़ाने का भी खतरा नहीं रहेगा। साथ ही, चॉकलेट मिठाई का स्वाद देगी। एक्स्यू के खाद्य एवं पोषण विभाग की वैज्ञानिक डॉ. उर्वशी नांदल ने बताया कि आज के समय में लोगों के अंदर गेहूं से एलजी की समस्या रहती है। जिसके मद्देनजर ग्लूटन फ्री यानी बेसन, जी और ज्वार आदि से उत्पाद तैयार



किए गए हैं, जिनके सेवन से गेहूं से एलजी वाले लोगों को परेशानी नहीं होगी। ज्वार और खजूर के बिस्किट तैयार किए हैं, जो कजन कम करने के लिए रक्त परिसंचरण, हीमोग्लोबिन की क्षमता बढ़ाने में लाभदायक है। यह बिस्किट ग्लूटन फ्री होने के साथ साथ लैंकोज फ्री भी है।

**तैयार चॉकलेट बॉल्स मिठाई का देशी स्वाद :** कनडेस्ट मिलक

बिस्किट, डेसीकेटिड नारियल और कोको चाउडर के संयोजन से एक रोमांचक माउथ फील और अच्छा स्वाद देने वाली चॉकलेट बॉल्स तैयार की गई है। इसकी खास बात यह है कि इसे मिठाई की जगह भी प्रबोग में लाया जा सकता है। बेसन से तैयार किए गए बिस्किट को गेहूं की एलजी से पौँडित व्यक्ति, बच्चा आपम से सेवन कर सकता है। और यह प्रोटीन से भी भरपूर है। एचएयू के वीसी प्रा. बीआर काम्बोज ने कहा

कहा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कई प्रोडक्ट तैयार किए हैं। लोगों को प्रोडक्ट बनाने के बारे में निश्चिक जानकारी भी दी जाती है ताकि वह खुद उत्पाद बना कर ना बेकल अपनी मौत टीक रखें अपनी स्वास्थ्य का बहुत बड़ा लाभ हो।